DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

28 June, 2024

सार्वजनिक हस्तियों के निजी कागजात

संदर्भ: *प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय (पीएमएमएल) अब प्रतिष्ठित व्यक्तियों के निजी कागजात के भावी दानकर्ताओं को अनिश्चितकालीन गोपनीयता हटाने की शर्तें लगाने की अनुमति नहीं देगा।*

पीएमएमएल में नेहरू के कागजात का अधिग्रहण

- नेहरू के निजी कागजात के हस्तांतरण की देखरेख जवाहरलाल नेहरू स्मारक निधि (जेएनएमएफ) द्वारा इंदिरा गांधी, नेहरू की कानूनी उत्तराधिकारी की ओर से 1984 में उनकी हत्या तक की गई थी।
- पीएमएमएल को सोनिया गांधी से 1946 के बाद नेहरू के कागजात का महत्वपूर्ण संग्रह प्राप्त हुआ, जिससे इसके अभिलेखीय भंडार और समृद्ध हुए।
- इन कागजातों में पत्राचार, भाषण, आधिकारिक दस्तावेज और व्यक्तिगत यादगार चीजें शामिल हैं, जो नेहरू के नेतृत्व और आधुनिक भारत के निर्माण के बारे में जानकारी प्रदान करती हैं।

पीएमएमएल में अन्य नेताओं के कागजात

- पीएमएमएल के संग्रह में मौलाना अबुल कलाम आज़ाद, भीकाजी कामा, चौधरी चरण सिंह और अन्य जैसे विविध व्यक्ति शामिल हैं जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
- शांता कुमार, सुंदरलाल बहुगुणा और यशपाल जैसी हस्तियों से कागजात प्राप्त करना पीएमएमएल के अभिलेखीय संसाधनों की व्यापकता और गहराई को रेखांकित करता है।
- ये कागजात विद्वानों के शोध के लिए महत्वपूर्ण हैं, जो भारत के सामाजिक-राजनीतिक विकास और प्रमुख ऐतिहासिक घटनाओं पर दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं।

निजी कागजात बनाम व्यक्तिगत कागजात

- पीएमएमएल में रखे गए निजी कागजात में कई तरह की सामग्रियाँ शामिल हैं, जिनमें पत्र, डायरियाँ, पांडुलिपियाँ और अप्रकाशित लेख शामिल हैं जो उल्लेखनीय व्यक्तियों के जीवन और समय पर प्रकाश डालते हैं।
- निजी कागजात और व्यक्तिगत पत्राचार के बीच का अंतर स्वामित्व और संरक्षकता में निहित है, जो पहुँच और गोपनीयता हटाने की प्रक्रियाओं को प्रभावित करता है।
- निजी संग्रह में शामिल नहीं किए गए व्यक्तिगत कागजात आम तौर पर व्यक्तियों या परिवारों द्वारा निजी तौर पर रखे जाते हैं, जिन तक पहुँच आपसी समझौतों या संस्थागत नीतियों के आधार पर दी जाती है।

दानदाताओं द्वारा लगाई गई शर्तें

- दानदाता अक्सर निजी संग्रह तक सार्वजनिक पहुँच के समय और सीमा के बारे में शर्तें निर्धारित करते हैं, जो गोपनीयता, सुरक्षा या ऐतिहासिक संवेदनशीलता पर चिंताओं को दर्शाते हैं।
- पीएमएमएल की हालिया नीति नए अधिग्रहणों के लिए प्रतिबंध अवधि को अधिकतम दस वर्ष तक सीमित करती है, जिसका उद्देश्य संरक्षण और विद्वानों की पहुँच के बीच संतुलन बनाना है।
- संस्था का उद्देश्य पुराने निजी कागजात, जैसे जी डी मावलंकर और नयनतारा सहगल के कागजात, दशकों तक हिरासत में रहने के बाद शोधकर्ताओं के लिए सक्रिय रूप से खोलना है।

निजी कागजात प्राप्त करने वाले अन्य संगठन

- भारत का राष्ट्रीय अभिलेखागार निजी कागजात प्राप्त करने और संरक्षित करने में एक पूरक भूमिका निभाता है, जो दाताओं के समझौतों के अनुसार सार्वजनिक पहुँच सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करता है।
- इसके पास महात्मा गांधी, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, सरदार पटेल और अन्य जैसे प्रतिष्ठित व्यक्तियों के कागजात शामिल हैं, जो भारत के ऐतिहासिक आख्यान की व्यापक समझ में योगदान करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गोपनीयता हटाने की प्रक्रियाएँ

- अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, लाइब्रेरी ऑफ़ कांग्रेस और यूनाइटेड स्टेट्स के राष्ट्रीय अभिलेखागार जैसे संस्थान व्यक्तिगत कागजात और सरकारी अभिलेखों के लिए संरचित गोपनीयता हटाने के प्रोटोकॉल का पालन करते हैं।
- भारत में, 1997 के सार्वजनिक अभिलेख नियम आधिकारिक अभिलेखों के गोपनीयता हटाने का मार्गदर्शन करते हैं, जबकि निजी कागजात पहुँच के संबंध में दाताओं के समझौतों और संस्थागत नीतियों के अधीन रहते हैं।
- अभिलेखों को डिजिटल बनाने तथा उन्हें ऑनलाइन सुलभ बनाने के प्रयासों से ऐतिहासिक दस्तावेजों और सांस्कृतिक विरासत के साथ वैश्विक विद्वानों की सहभागिता बढ़ेगी।

चीन की विदेश नीति के 'पांच सिद्धांत'

संदर्भ*: चीन शुक्रवार, 28 जून को शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांतों की 70वीं वर्षगांठ मनाएगा, जो 1954 में भारत के साथ सहमत हुई एक विदेश नीति अवधारणा है।*

शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांत (पंचशील)

- **उत्पत्ति और स्वीकरण:** 1954 में चीन द्वारा प्रस्तावित और भारत में पंचशील के रूप में जाने जाने वाले इन सिद्धांतों को चीनी प्रधानमंत्री झोउ एनलाई ने तिब्बत पर भारत के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान पेश किया था।
- **सिद्धांत**: इनमें क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता के लिए आपसी सम्मान, आपसी गैर-आक्रामकता, आपसी गैर-हस्तक्षेप, समानता और आपसी लाभ, और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व शामिल हैं।
- **उद्देश्य**: राष्ट्रों के बीच, विशेष रूप से भारत और चीन के बीच विश्वास और सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, वे प्रधानमंत्री नेहरू के आपसी सम्मान और सहयोग पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के दृष्टिकोण का अभिन्न अंग थे।

ऐतिहासिक महत्व:

- **बांडुंग सम्मेलन**: 1955 में बांडुंग सम्मेलन में सिद्धांतों को अंतरराष्ट्रीय मान्यता मिली, जहाँ उन्हें एशियाई और अफ्रीकी देशों द्वारा 10-सूत्रीय घोषणा में शामिल किया गया।
- **गुटनिरपेक्ष आंदोलन (NAM)**: पंचशील सिद्धांत गुटनिरपेक्ष आंदोलन के लिए आधारभूत बन गए, जिसमें शीत युद्ध के शक्ति ब्लॉकों के साथ सामूहिक सुरक्षा और गुटनिरपेक्षता पर जोर दिया गया।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

28 June, 2024

➢ समकालीन संदर्भ

- **भारत-चीन संबंधों पर प्रभाव**: मूल रूप से शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किए जाने के बावजूद, 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद सिद्धांत तनावपूर्ण हो गए, जिससे नेहरू के संबंधों को संभालने की आलोचना हुई।
- **वर्तमान चीनी विदेश नीति**: राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नेतृत्व में चीन की आधुनिक विदेश नीति में दक्षिण चीन सागर में क्षेत्रीय दावों और अमेरिकी प्रभुत्व के लिए कूटनीतिक चुनौतियों जैसे मुखर कार्य देखे गए हैं।
- **भारत-चीन संबंध आज**: भारत और चीन के बीच तनाव बना हुआ है, विशेष रूप से 2020 से लद्दाख में चल रहे सीमा विवादों के साथ, उन्हें हल करने के कूटनीतिक प्रयासों के बावजूद।
- **विरासत और आलोचना**: शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के पांच सिद्धांत शुरू में शांतिपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संबंधों की उम्मीदों का प्रतीक थे, लेकिन दशकों से उनके व्यावहारिक अनुप्रयोग को चुनौतियों का सामना करना पड़ा है।
- **वैश्विक प्रभाव**: ये सिद्धांत अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और सहयोग पर चर्चाओं को प्रभावित करना जारी रखते हैं, जो विकसित हो रही भू-राजनीतिक गतिशीलता को दर्शाते हैं।

बॉडी राउंडनेस इंडेक्स

***संदर्भ**: बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) की कल्पना अमेरिकी शोधकर्ताओं ने 2013 में बॉडी मास इंडेक्स (BMI) की आलोचनाओं के जवाब में की थी।*

➢ बॉडी मास इंडेक्स (BMI):

- BMI वजन और ऊंचाई की गणना के आधार पर शरीर में वसा के स्तर का अनुमान लगाने के लिए व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाने वाला उपाय है।
- अपनी सरलता के बावजूद, BMI की सीमाएँ हैं, खासकर बच्चों, एथलीटों और जातीय अल्पसंख्यकों के लिए, क्योंकि यह मांसपेशियों के द्रव्यमान या शरीर में वसा के वितरण को सटीक रूप से नहीं बताता है।
- इसे 19वीं सदी के यूरोपीय डेटा का उपयोग करके विकसित किया गया था और इसकी आलोचना सूक्ष्म स्वास्थ्य आकलन प्रदान करने में असमर्थता के लिए की जाती है।

➢ बॉडी राउंडनेस इंडेक्स (BRI) क्या है ?

- BRI, जिसे 2013 में अमेरिकी शोधकर्ताओं द्वारा पेश किया गया था, ऊंचाई के संबंध में कमर की परिधि पर ध्यान केंद्रित करके BMI की कमियों को संबोधित करता है।
- यह शरीर में वसा के वितरण और स्वास्थ्य जोखिमों को इंगित करने वाला एक संख्यात्मक मान प्रदान करता है, जो आम तौर पर एक से 20 तक होता है।
- विभिन्न अध्ययनों के अनुसार BRI मोटापे से संबंधित बीमारियों और समग्र मृत्यु दर से जुड़े जोखिमों की BMI की तुलना में बेहतर भविष्यवाणी कर सकता है।

➢ तुलनात्मक प्रभावशीलता: BRI बनाम BMI

- BRI पेट की चर्बी के अचानक बढ़ते रहने वाले कारणों पर विचार करता है, जिसे BMI अनदेखा कर देता है, जिससे यह स्वास्थ्य जोखिम आकलन में संभावित रूप से अधिक सटीक हो जाता है।
- BMI के विपरीत, BRI के लिए केवल एक टेप माप और एक गणितीय समीकरण की आवश्यकता होती है, जिससे यह समान रूप से सुलभ हो जाता है, लेकिन माप त्रुटियों के लिए प्रवण होता है, खासकर जब मैन्युअल रूप से लिया जाता है।

➢ सीमाएँ और विचार

- BRI में BMI की तरह व्यापक डेटा समर्थन का अभाव है, जिससे स्थापित विधियों की तुलना में इसकी विश्वसनीयता और प्रभावशीलता अनिश्चित हो जाती है।
- यह BMI की तरह एक समग्र उपाय है, जो कई कारकों को एक ही सूचकांक में जोड़ता है, जो व्याख्याओं को जटिल बना सकता है और गलत वर्गीकरण को जन्म दे सकता है।
- BRI की सटीकता जातीयता, आयु और लिंग जैसे कारकों के आधार पर भिन्न हो सकती है, जो विभिन्न आबादी में इसकी प्रभावशीलता को प्रभावित करती है।

➢ भविष्य की दिशाएँ

- बीआरआई, बीएमआई की तुलना में शरीर के आकार और वसा वितरण पर ध्यान केंद्रित करके एक उन्नत दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है, लेकिन यह असामान्य शरीर संरचनाओं वाले व्यक्तियों में सीमाओं से मुक्त नहीं है।
- बीआरआई की बीएमआई पर श्रेष्ठता को सत्यापित करने और इसे नैदानिक आकलनों में स्थापित करने के लिए अधिक शोध की आवश्यकता है।
- 3डी बॉडी सरफेस इमेजिंग जैसी डिजिटल विकल्पों का अन्वेषण भविष्य में अधिक व्यापक स्वास्थ्य आकलन प्रदान कर सकता है, जो विभिन्न शरीर आकारों को समायोजित कर सकते हैं।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

भारतीय रिजर्व बैंक

हाल ही में, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने 2024 से 2027 तक SAARC देशों के लिए एक संशोधित मुद्रा विनिमय व्यवस्था की रूपरेखा निर्मित करने का निर्णय लिया है।

भारतीय रिजर्व बैंक के बारे में:

- भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) भारत की केंद्रीय बैंकिंग संस्था है, जो देश की मौद्रिक और वित्तीय प्रणाली को विनियमित करने के लिए जिम्मेदार है।
- इसकी स्थापना 1 अप्रैल, 1935 को भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 के तहत की गई थी।
- यह भारत सरकार द्वारा नियुक्त एक केंद्रीय निदेशक मंडल द्वारा शासित है, जिसमें एक गवर्नर और चार उप गवर्नर शामिल होते हैं।
- आरबीआई के पहले गवर्नर ऑस्ट्रेलियाई सर ओसबोर्न आर्केल स्मिथ थे। सर सी डी देशमुख पहले भारतीय गवर्नर थे।
- इसके प्राथमिक कार्यों में मौद्रिक नीति तैयार करना और लागू करना, मुद्रा जारी करना, वित्तीय प्रणाली को विनियमित करना, विदेशी मुद्रा का प्रबंधन करना तथा विकासात्मक भूमिका निभाना शामिल है।
- यह भुगतान और निपटान प्रणालियों को विनियमित और देखरेख करता है और उपभोक्ता संरक्षण की दिशा में काम करता है।
- आरबीआई द्वारा उपयोग किए जाने वाले प्रमुख उपकरणों में रेपो दर, रिवर्स रेपो दर, नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर), और वैधानिक तरलता अनुपात (एसएलआर) शामिल हैं।
- प्रारंभ में इसका मुख्यालय कोलकाता में था लेकिन 1937 में इसे स्थायी रूप से मुंबई स्थानांतरित कर दिया गया।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

28 June, 2024

ALMA टेलीस्कोप

हाल ही में, ALMA टेलीस्कोप का उपयोग करने वाले खगोलविदों ने बाइनरी स्टार सिस्टम के आसपास ग्रह निर्माण के बारे में नई जानकारियाँ प्राप्त कीं।

ALMA टेलीस्कोप के बारे में:

- अटाकामा लार्ज मिलीमीटर/ सबमिलीमीटर ऐरे (ALMA) एक अत्याधुनिक खगोलीय वेधशाला है जिसका उद्घाटन आधिकारिक तौर पर 13 मार्च, 2013 को किया गया था।
- यह 66 उच्च-परिशुद्धता वाले एंटेनाओं का एक खगोलीय इंटरफेरोमीटर है, जो मिलीमीटर और सबमिलीमीटर तरंगदैर्ध्य पर काम करता है।
- यह उत्तरी चिली के अटाकामा रेगिस्तान में स्थित है, विशेष रूप से चाज़नांतोर पठार पर, लगभग 5,000 मीटर (16,400 फीट) की ऊंचाई पर।
- यह ब्रह्मांड को मिलीमीटर और सबमिलीमीटर तरंगदैर्ध्य में देखने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो इसे आणविक बादलों, तारा बनाने वाले क्षेत्रों, प्रोटोप्लेनेटरी डिस्क, ग्रह प्रणालियों और दूर की आकाशगंगाओं जैसी ठंडी एवं दूर की वस्तुओं का अध्ययन करने की अनुमति देता है।
- इस सरणी में 54 12-मीटर एंटेना और 12 7-मीटर एंटेना शामिल हैं जिन्हें विभिन्न विन्यासों में ले जाया जा सकता है, जिनके आधार रेखा 150 मीटर से 16 किलोमीटर तक होती है, जो उच्च स्थानिक रिज़ॉल्यूशन प्रदान करती है।
- ALMA यूरोप, संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, पूर्वी एशिया और चिली गणराज्य के बीच एक वैश्विक साझेदारी है। निर्माण और संचालन का समन्वय यूरोपीय दक्षिणी वेधशाला (ESO), राष्ट्रीय रेडियो खगोल विज्ञान वेधशाला (NRAO) और राष्ट्रीय खगोलीय वेधशाला (NAOJ) द्वारा किया जाता है।

ISO 9001:2015 प्रमाणन

हाल ही में, इटानगर में महिला पुलिस स्टेशन को महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों से मानवीय और प्रभावी ढंग से निपटने की अपनी प्रतिबद्धता के लिए ISO 9001:2015 प्रमाणन से सम्मानित किया गया है।

ISO 9001:2015 प्रमाणन के बारे में:

- ISO 9001:2015 प्रमाणन एक अंतर्राष्ट्रीय मानक है जो एक व्यापक गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली के कार्यान्वयन को दर्शाता है।
- यह गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों (QMS) के लिए एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त मानक है जो संगठनों को ग्राहकों की ज़रूरतों को पूरा करने में मदद करता है।
- इसे पहली बार 1987 में अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (ISO) द्वारा पेश किया गया था, जो एक गैर-सरकारी संगठन है जिसमें 160 से अधिक देशों के मानक निकाय शामिल हैं।
- मानक का नवीनतम संस्करण, ISO 9001:2015, जोखिम-आधारित सोच पर केंद्रित है और इसमें व्यवसायों को सिस्टम त्रुटियों की निगरानी, नियंत्रण और कमी के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को लागू करने में मदद करने के लिए एक प्रक्रियात्मक दृष्टिकोण शामिल है।
- यह एक एकीकृत मानक है जो सभी प्रक्रियाओं, संसाधनों और मूल्यों को समाहित करता है तथा पिछले संस्करणों की तुलना में अधिक लचीला है, जिससे कंपनियों को अपने स्वयं के उद्देश्य परिभाषित करने की सुविधा मिलती है।

पेंच टाइगर रिजर्व

हाल ही में, महाराष्ट्र के पेंच टाइगर रिजर्व ने जंगल में आग लगने की शुरुआती पहचान के लिए एक उन्नत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) सिस्टम लॉन्च किया है।

पेंच टाइगर रिजर्व के बारे में:

- पेंच टाइगर रिजर्व मध्य प्रदेश के दक्षिणी भाग में स्थित है और महाराष्ट्र तक विस्तृत है।
- यह सतपुड़ा रेंज की दक्षिणी ढलानों पर स्थित है और इसका नाम पेंच नदी के नाम पर रखा गया है, जो रिजर्व को आधे हिस्से में विभाजित करती है।
- इसे 1977 में एक वन्यजीव अभयारण्य के रूप में स्थापित किया गया था और बाद में 1992 में प्रोजेक्ट टाइगर के तहत एक बाघ रिजर्व घोषित किया गया।
- यह रिजर्व भारत का पहला डार्क स्काई पार्क भी है, जिसका उद्देश्य रात के आसमान को प्रकाश प्रदूषण से बचाना है।
- **वनस्पति:** पेंच टाइगर रिजर्व में सागौन और मिश्रित वनों सहित विविध वनस्पतियाँ हैं, जो पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन के लिए महत्वपूर्ण विभिन्न प्रकार की पौधों की प्रजातियों को सहारा देने के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- **जीव**: यह रिजर्व बंगाल टाइगर, तेंदुए, चीतल, भारतीय बाइसन (गौर) और सांभर सहित अपने समृद्ध जीवों के लिए जाना जाता है।

मेनलैंड सीरो

हाल ही में, पश्चिमी असम के रायमोना नेशनल पार्क में औसत समुद्र तल से 96 मीटर ऊपर एक अकेला मेनलैंड सीरो देखा गया है।

मेनलैंड सीरो के बारे में:

- मेनलैंड सीरो (कैप्रिकॉर्निस सुमात्रेन्सिस थार) एक स्तनपायी है जो बकरी और मृग के बीच का क्रॉस है, यह बोविडे परिवार से संबंधित है।
- यह एक मध्यम आकार का स्तनपायी है जिसका शरीर मजबूत है, पैर छोटे हैं, फर घने बालों वाला है तथा नर और मादा दोनों में छोटे, पीछे की ओर मुड़े हुए सींग होते हैं।
- इसका निवास स्थान सीमा पार भूटान में फ़िबसू वन्यजीव अभयारण्य और रॉयल मानस नेशनल पार्क है।
- यह हिमालय क्षेत्र, दक्षिण पूर्व एशिया और चीन के कुछ हिस्सों में भी पाया जाता है, यह जंगली पहाड़ी क्षेत्रों और चट्टानी इलाकों को पसंद करता है।
- यह गोधूलि बेला में रहता है, मुख्य रूप से सुबह और शाम के समय सक्रिय रहता है और शाकाहारी है, जो पत्तियों, टहनियों और घासों को खाता है।
- इसे आईयूसीएन रेड लिस्ट में संवेदनशील श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है, जिसमें वनों की कटाई, अवैध शिकार और आवास विखंडन जैसे खतरे शामिल हैं।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

28 June, 2024

सुर्खियों में व्यक्तित्व
नादप्रभु केम्पेगौड़ा

हाल ही में, भारत के प्रधानमंत्री ने नादप्रभु केम्पेगौड़ा को उनकी जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

नादप्रभु केम्पेगौड़ा (27 जून 1510-1569):

नादप्रभु केम्पेगौड़ा, मोरासु वोक्कालिगा समुदाय से थे, उनका जन्म बैंगलोर के पास येलहंका में हुआ था।

योगदान:

- नादप्रभु केम्पेगौड़ा, जिन्हें केम्पेगौड़ा के नाम से भी जाना जाता है, 16वीं शताब्दी की शुरुआत में बैंगलोर (वर्तमान बेंगलुरु) के शासक और संस्थापक थे।
- वे आधुनिक भारत के आरंभ में विजयनगर साम्राज्य के अधीन एक गवर्नर थे।
- उन्हें 1537 में एक मिट्टी के किले का निर्माण करके बैंगलोर को एक प्रमुख शहर के रूप में स्थापित करने का श्रेय दिया जाता है, जिसके चारों ओर आधुनिक शहर विकसित हुआ।
- उन्होंने बैंगलोर को किलों, मंदिरों (जैसे गवी गंगाधरेश्वर), तालाबों (जैसे धर्मबुधि और केम्पंबुधि) और अच्छी तरह से परिभाषित बाजारों और आवासीय क्षेत्रों के साथ एक संरचित टाउनशिप में संगठित किया।
- उन्होंने सांस्कृतिक गतिविधियों और साहित्यिक गतिविधियों को प्रोत्साहित किया, कन्नड़ साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसमें तेलुगु में यक्षगान नाटक "गंगागौरीविलास" लिखना भी शामिल है।
- **सम्मान:**बेंगलुरु में कई स्थलचिह्न, जैसे केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा और विभिन्न मूर्तियाँ और स्मारक, उनकी स्मृति और विरासत का सम्मान करते हैं।
- **नैतिक मूल्य:** ईमानदारी, साहस, जवाबदेही, नेतृत्व, आदि।

सुर्खियों में स्थल
बोलीविया

हाल ही में, बोलिवियाई सशस्त्र बलों ने ला पाज़ में राष्ट्रपति भवन से वापसी की और राष्ट्रपति लुइस आर्से द्वारा सरकार के खिलाफ "तख्तापलट" के प्रयास की निंदा करने और अंतर्राष्ट्रीय समर्थन का आह्वान करने के बाद एक जनरल को गिरफ्तार किया गया।

बोलीविया:

राजधानी: बोलीविया की संवैधानिक राजधानी सिक्योर है, जबकि सरकार और कार्यकारी राजधानी का स्थान ला पाज़ है।

स्थान: बोलीविया, जिसे आधिकारिक तौर पर बोलिविया के बहुराष्ट्रीय राज्य के रूप में जाना जाता है, पश्चिमी-मध्य दक्षिण अमेरिका में स्थित एक भूमि से घिरा हुआ देश है।

राजनीतिक सीमाएँ: बोलीविया की सीमाएँ ब्राज़ील (पूर्व और उत्तर), पेरू (पश्चिम), अर्जेंटीना (दक्षिण), पैराग्वे (दक्षिण-पूर्व) और चिली (दक्षिण-पश्चिम) से मिलती हैं।

भौगोलिक विशेषताएँ:

- बोलीविया का सबसे ऊँचा स्थान नेवाडो साजामा है, जो देश के पश्चिमी भाग में स्थित है।
- बोलीविया की प्रमुख नदियों में मामोरे, बेनी और पिलकोमायो शामिल हैं।
- बोलीविया प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है, जिसमें टिन, चांदी और लिथियम शामिल हैं (सालार डी उयूनी में सबसे बड़ा लिथियम भंडार है)।

POINTS TO PONDER

- भारतीय वायु सेना (IAF) ने केंद्र सरकार को हाल ही में कौन सा प्रस्ताव दिया? – **10 TAPAS ड्रोन खरीदने के लिए**
- हाल ही में भारतीय वायु सेना ने मिस्र की वायु सेना के साथ किस संयुक्त सैन्य अभ्यास में सहयोग किया? – **अभ्यास HOPEX 2024**
- किस संगठन ने विश्व ड्रग दिवस (ड्रग दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस) पर एक रिपोदर्जार्ट जारी की? – **संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ड्रग्स और अपराध (UNODC)**
- हाल ही में, किस संगठन को "मिनी रत्न" का (श्रेणी-1) दिया गया? – **सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (CEL)**
- NSIL (भारत) ने हाल ही में अपने दूसरे ऑप्टिमस अंतरिक्ष यान को लॉन्च करने के लिए किस कंपनी के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं? – **स्पेस मशीन्स (ऑस्ट्रेलिया)**

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com